जिले की सभी ग्राम पंचायतों के बीच होगी स्वच्छ ग्राम पंचायत प्रतियोगिता

20 अगस्त से 30 सितम्बर तक चलेगी प्रतियोगिता

पीपुल्स प्रवक्ता, नरसिंहपुर।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के साथ स्वच्छता के स्थायी एवं संस्थागत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले की सभी ग्राम पंचायतों के बीच 'स्वच्छ ग्राम पंचायत प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता की अवधि 20 अगस्त 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के प्रति सर्वांगीण एवं स्थायी दृष्टिकोण विकसित करना, पंचायत और स्थानीय नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा स्वच्छता कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की कार्यपद्धति को विकसित करना है। प्रतियोगिता के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वच्छता से जुड़े विभिन्न आयामों एवं घटकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। पंचायतों द्वारा किए जा रहे कार्यों का जिला अधिकारियों एवं विशेषज्ञ दल द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर पर्यवेक्षण एवं आकलन किया जाएगा। पंचायत के प्रदर्शन का मूल्यांकन स्थल निरीक्षण, किए जा रहे स्वच्छता कार्यों के आकलन, आमजन से प्राप्त सुझाव एवं फीडबैक तथा अन्य आवश्यक जांच-पड़ताल के आधार पर किया जाएगा। ग्राम पंचायतें स्वयं भी अपनी उपलब्धियों एवं कार्यों की प्रोफाइल प्रविष्ट कर सकेंगी।

प्रतियोगिता में तरल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, गीले कचरे की कंपोस्टिंग, सूखे कचरे का विभिन्न श्रेणियों में पृथक्करण, घर-घर से कचरा संग्रहण, स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण तथा अजैविक प्लास्टिक एवं अन्य प्रकार के कचरे के उचित प्रसंस्करण जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया है।

श्रद्धांजलि सभा में गूंजे वैदिक मंत्र, सामाजिक सुधार का भी दिया संदेश

पीपुल्स प्रवक्ता, नरसिंहपुर।

नगर के प्रतिष्ठित परिवार के डालचंद सनेडिया की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती मुन्नी देवी सनेडिया के देवलोकगमन के पश्चात उनकी स्मृति में बुधवार को सामुदायिक भवन, सोमवारा बाजार, करेली में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, प्रार्थना एवं आध्यात्मिक विधि से श्रद्धांजलि कार्यक्रम संपन्न कराया गया। उपस्थितजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर परिवार द्वारा लिए गए सामाजिक सुधार से जुड़े निर्णय की भी उपस्थितजनों ने सराहना की। परिवार ने ग्यारहवीं एवं गंगापूजन का कार्यक्रम केवल कुटुंब

तक सीमित रखने तथा मृत्युभोज जैसी सामाजिक परंपरा पर अंकुश लगाने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किसी परिवार में मृत्यु होने के बाद परिजन पहले ही गहरे दुःख और कई बार आर्थिक कठिनाइयों से गुजरते हैं। ऐसे समय में सामाजिक दबाव के कारण होने वाला अनावश्यक खर्च परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालता है। इसलिए मृत्युभोज के स्थान पर दिवंगत परिजन की स्मृति में जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, चिकित्सा, पौधारोपण, गौसेवा अथवा अन्य जनसेवा के कार्य किए जाने चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि किसी जरूरतमंद मरीज की सहायता, गरीब बच्चे की शिक्षा, पौधारोपण अथवा गौसेवा के माध्यम से किया गया सेवा कार्य दिवंगत व्यक्ति की स्मृति को लंबे समय तक जीवित रखने का माध्यम बन सकता है।

समाज में ऐसी सकारात्मक एवं अनुकरणीय परंपराओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उपस्थित सामाजिकजनों ने परिवार की पहल को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों में बदलाव की शुरुआत छोटे-छोटे प्रयासों से ही होती है। यदि अन्य परिवार भी ऐसे सकारात्मक निर्णयों को अपनाते हैं, तो यह समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

राहुल के कार्यक्रम के लिए नहीं मिलेगा स्टेडियम

इंदौर निगम ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला दिया; यहीं विधायक पुत्र कर चुका यूथ वॉक

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का इंदौर में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम 19 सितंबर को बढ़ा दिया गया है। हालांकि, कांग्रेस इसे 8 सितंबर से 12 सितंबर तक नेहरू स्टेडियम में आयोजित करना चाहती थी। लेकिन नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने इसकी परमिशन नहीं दी। सिंघल ने कांग्रेसियों के आवेदन पर कहा- नेहरू स्टेडियम का इस्तेमाल खेल गतिविधियों, गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के लिए ही किया जाता है। इसके इस्तेमाल को लेकर हाईकोर्ट का आदेश है।

सिंघल ने कहा- छात्रों की गूंज जैसे कार्यक्रम के मामले में निगम के क्या नियम-संविधान हैं और कोर्ट का क्या आदेश है, अध्ययन करने के बाद ही कुछ बताया जा सकेगा। उधर, हाईकोर्ट के जिस आदेश का हवाला दिया गया, उसके बारे में कोई भी जानकारी निगम की तरफ से नहीं दी गई है। खास बात यह है कि जिस स्टेडियम में राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी गई है, उसी स्टेडियम में 8 फरवरी 2026 को भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला का नशे के खिलाफ यूथ वॉक 2026 हो चुका है। इसी स्टेडियम में 10 नवंबर 2024 को करीब 5 हजार महिलाओं और बालिकाओं ने सामूहिक तलवारबाजी का प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिरकत की थी। इसे वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। इंदौर नगर निगम के मुताबिक, नेहरू स्टेडियम का इस्तेमाल सरकारी कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों के लिए ही किया जाता है। इंदौर नगर निगम के मुताबिक, नेहरू स्टेडियम का इस्तेमाल सरकारी कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों के लिए ही किया जाता है। कमिश्नर बोले- पहले कौन से आयोजन हुए, जानकारी नहीं इस बारे में सवाल करने पर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने दैनिक भास्कर से कहा- पहले स्टेडियम में कौन से आयोजन हुए हैं, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। हमने न तो अभी परमिशन दी है और न ही रिजेक्ट की है। उन्होंने कहा- हाईकोर्ट के आदेश के तहत स्टेडियम खेल गतिविधियों और राज्यस्तरीय सरकारी कार्यक्रम के लिए है। इसके पहले भी परमिशन को लेकर ऐसे मामले उठे हैं, उनका अध्ययन करने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। महापौर ने कहा- हाईकोर्ट से परमिशन ले सकती है कांग्रेस वहीं, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा- लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के कारण नगर निगम परमिशन नहीं दे सकता है। कांग्रेस नेहरू स्टेडियम में ही कार्यक्रम करना चाहती है, तो वह हाईकोर्ट में याचिका लगाकर विशेष परमिशन ले सकती है।

भार्गव ने कहा- छात्रों की गूंज देशभर में झूठ की गूंज बनकर उभर रही है। कांग्रेस इंदौर में भी कार्यक्रम करना चाहती है तो वह स्वतंत्र है।

कांग्रेस ने कहा- निगम का चेहरा सामने आया उधर, कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने कहा- जिस नेहरू स्टेडियम में 'छात्रों की गूंज' के लिए इंदौर नगर निगम परमिशन नहीं दे रहा है, उसी में भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला का नशे के खिलाफ यूथ वॉक 2026 जैसा बड़ा आयोजन हो चुका है। नायक ने कहा- नेहरू स्टेडियम विधायक के बेटे को कार्यक्रम के लिए दिया जा सकता है, लेकिन लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता, जो संवैधानिक पद पर हैं, उनको नहीं दिया जा सकता। भेदभाव भरे इस फैसले ने इंदौर नगर निगम का चेहरा सामने ला दिया है। एमपी के स्टूडेंट्स से संवाद करेंगे राहुल गांधी इंदौर में होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी मध्य प्रदेश के स्टूडेंट्स से संवाद करेंगे। मंच पर किसी भी अन्य नेता को स्थान नहीं मिलेगा।

अब एक लाख युवाओं को जोड़ेगी कांग्रेस

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर बुधवार को इंदौर के शुभ कारज गार्डन में कांग्रेस की बैठक हुई। इसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। यह तो सामाजिक सारोकार का कार्यक्रम है। इसके लिए छात्रों और युवाओं में जोरदार उत्साह है। इससे भाजपा और उसकी सरकार डरी हुई है। वहीं, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे बोले- पहले इस कार्यक्रम में 50 हजार छात्र और युवाओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा था। अब जब कार्यक्रम की तैयारी के लिए हमें ज्यादा समय मिल रहा है तो हम यह चाहेंगे कि इसमें एक लाख छात्र और युवा भाग लें।

समाजसेवी पटेल के नेतृत्व में झामर से धमना तक निकाली 11 किलोमीटर की 'युवा जागरण पदयात्रा

अब गांव-गांव पहुंचा 'नशामुक्त युवा-सशक्त समाज' का संदेश

पीपुल्स प्रवक्ता, नरसिंहपुर।

'माई भारत' नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत सहयोग युवा समिति द्वारा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जनचेतना बढ़ाने के उद्देश्य से 'युवा जागरण पदयात्रा' का आयोजन किया गया। समाजसेवी फलित सिंह पटेल के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झामर से सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमना तक निकली इस पदयात्रा ने लगभग 11 किलोमीटर की दूरी तय की उल्लेखनीय है कि फलित सिंह पटेल ने युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक करने और उन्हें इस सामाजिक अभियान से जोड़ने के लिए 100 दिवसीय जनजागरण का संकल्प लिया है।

युवा जागरण पदयात्रा के आयोजन के साथ इस संकल्प का चौथा सप्ताह सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ अभियान के पिछले तीन सप्ताहों में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं युवाओं से लगातार संवाद किया गया। उन्हें तंबाकू, शराब एवं अन्य नशों से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं नशा न करने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई इसी जनजागरण को विद्यालयों से आगे गांव और आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से झामर से धमना तक युवा जागरण पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों, स्थानीय नागरिकों एवं सहयोग युवा समिति के सदस्यों ने सहभागिता की। हाथों में नशामुक्ति एवं युवा जागरण के संदेश वाली तख्तियां लेकर प्रतिभागियों ने 'युवा जागेगा-नशा भागेगा ', 'नशे को ना-जीवन को हां' और 'नशामुक्त युवा-सशक्त भारत' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया करीब 11 किलोमीटर के मार्ग में आने वाले गांवों, बस्तियों और शिक्षण संस्थानों में ग्रामीणों एवं युवाओं से सीधा संवाद किया गया।

लोगों को नशे के कारण व्यक्ति के साथ परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। क्षेत्रवासियों ने भी पदयात्रा का स्वागत करते हुए अभियान में सहभागिता का आश्वासन दिया इस अवसर पर फलित सिंह पटेल ने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने मित्रों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

मूसाखेड़ी में 17 दुकानें हटाई...बाणगंगा में 7 मकानों पर कार्रवाई

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

इंदौर में नगर निगम ने बुधवार को रोड चौड़ीकरण में बाधक निर्माणों के खिलाफ दो जगह रिमूवल कार्रवाई की। मूसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम मंदिर तक 45 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण में बाधक 17 दुकानों को जेसीबी से हटाया गया। वहीं बाणगंगा के कुम्हार खाड़ी इलाके में 7

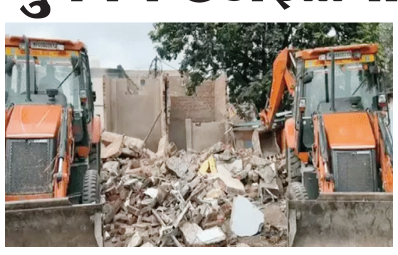

मकानों के अवैध हिस्से तोड़े गए। नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के निर्देश पर जोन-18, वार्ड-51 की टीम मूसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम मंदिर तक कार्रवाई करने पहुंची।

यहां इंदौर विकास योजना-2021 के तहत सड़क को 45 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। सड़क की जद में आ रहे 17 दुकानों के निर्माण हटाए गए। निगम अमले ने कार्रवाई से पहले टेप से नपती की। इसके बाद पुलिस बल की मौजूदगी में दो से ज्यादा जेसीबी मशीनों से निर्माण हटाए गए। कार्रवाई देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ भी जुटी बाणगंगा के कुम्हार खाड़ी क्षेत्र में भी सड़क निर्माण के लिए बाधक निर्माणों पर कार्रवाई की गई।

सयाजी होटल के पनीर-पिस्ता समेत 5 सैंपल फेल

18 घी के सैंपल में भी मिली मिलावट, दूध-दही, पनीर में भी खामी

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

खाद्य पदार्थों में मिलावट और गुणवत्ता को लेकर इंदौर में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई जारी है। बुधवार को सामने आई जांच रिपोर्ट में सयाजी होटल से लिए गए 8 खाद्य सैंपल में से पांच सैंपल फेल पाए गए। इसके अलावा डुग्गू इंटरप्राइजेज और कृष इंटरप्राइजेज से लिए गए घी के सभी 16 सैंपल भी असुरक्षित मिले हैं। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित खाद्य कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने पूर्व में सयाजी होटल, इंदौर से खाद्य पदार्थों के 8 नमूने लिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक पनीर, सान्या मीडियम फैट पनीर और खोपरा बूरा के नमूने अवमानक पाए गए। वहीं

पिस्ता कतरन और मूंगफली दाना के नमूने असुरक्षित मिले हैं। होटल से लिए गए रोस्टेड चना दाल, बारीक सौंफ और अजवाइन कुकीज़ के नमूने मानक स्तर के पाए गए। इस तरह सयाजी होटल के कुल 8 नमूनों में 5 नमूने जांच में फेल हुए, 3 मानक पाए गए।

16 घी के नमूने असुरक्षित

डुग्गू इंटरप्राइजेज, तलावली चंदा से लिए गए घी के 9 नमूने असुरक्षित पाए गए हैं। इनमें श्रीमूल घी के 5, गौसन्त घी के 2, गूमर घी का 1 और श्री शुद्ध घी का 1 नमूना शामिल है। इसी तरह कृष इंटरप्राइजेज, लसूड़िया मोरी से लिए गए वास्तु घी के सभी 7 नमूने असुरक्षित पाए गए हैं। दूध-दही मानक, पनीर-घी में खामी खाद्य विभाग को अन्य प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट भी मिली है। शिव शक्ति मिल्क एंड स्वीट्स सेंटर, विजयनगर से लिए गए दूध और दही के नमूने मानक मिले, जबकि पनीर और घी के नमूने अवमानक पाए गए। श्री कृष्णा दूध दही भंडार, स्कीम नंबर 78 से लिए गए दूध का नमूना अवमानक मिला।

आरजीपीवी से राजीव गांधी का नाम हटाने पर भड़की कांग्रेस

कमलनाथ बोले- नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलेगा...उमंग ने कहा- ये महान नेताओं के खिलाफ साजिश

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने और उसका नाम बदलने के फैसले को लेकर मध्य प्रदेश में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को मिटाने की कोशिश बताया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि आरजीपीवी के नाम से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाना भाजपा सरकार की 'ओछी मानसिकता' का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल में देश ने आधुनिक तकनीक की दुनिया में प्रवेश किया और सूचना क्रांति व कंप्यूटर युग की शुरुआत हुई। कमलनाथ ने भाजपा पर कांग्रेस सरकार के समय किए गए कार्यों की सिर्फ नाम पट्टिकाएं बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से राजीव गांधी का नाम नहीं हटाया जाना चाहिए। कमलनाथ ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, 'नाम बदलकर इतिहास नहीं बदल सकते। अच्छे और बुरे हर

काम का हिसाब होता है, हम भी हिसाब करेंगे। ' वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी सरकार के फैसले की घोर निंदा की। उन्होंने कहा कि देश में सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति लाने और कंप्यूटर युग की शुरुआत करने में राजीव गांधी का महत्वपूर्ण योगदान था। सिंघार ने सवाल उठाया कि जिन नेताओं ने देश के लिए अपना समय दिया, योगदान दिया और शहादत दी, उनके नाम हटाना क्या उचित है? सिंघार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों का आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं था, क्या भाजपा की मोहन यादव सरकार उनके नाम पर संस्थानों के नाम रखना चाहती है? उन्होंने इसे देश के महान नेताओं के खिलाफ साजिश बताया। उन्होंने कहा कि 'नाम दिलों से नहीं हटाया जा सकता।'

सिंघार ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से नाम हटाने की मानसिकता बदलने की मांग की और कहा कि राजीव गांधी ने देश में सूचना क्रांति की जो नींव रखी, उसी का परिणाम है कि आज भारत आईटी के क्षेत्र में पूरी दुनिया में जाना जाता है।

इंदौर कैंसर अस्पताल पहुंची लीनियर एक्सीलेटर मशीन

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

कैंसर मरीजों के इलाज के लिए बड़ी राहत की खबर है। इंदौर में 30 साल से जिस अत्याधुनिक लीनियर एक्सीलेटर मशीन का इंतजार था, वह अब शासकीय कैंसर अस्पताल पहुंच गई है। 33 लकड़ी के बॉक्स में मशीन के पार्टस पहुंचे हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में नए कैंसर अस्पताल का निर्माण हो रहा है, यहां मशीन की स्थापना के लिए बंकर तैयार हो गए है। करीब 47 करोड़ रुपए की लागत वाली इस मशीन के शुरू होने के बाद कैंसर मरीजों को अत्याधुनिक रेडिएशन ट्रीटमेंट की सुविधा शासकीय अस्पताल में ही मिल सकेगी। अभी तक लीनियर एक्सीलेटर से रेडिएशन थेरेपी कराने के लिए मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था। आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज तो योजना के तहत हो जाता था, लेकिन अन्य मरीजों को करीब 50 हजार से 2 लाख रुपए तक खर्च करने पड़ते थे। सरकारी अस्पताल में मशीन लगने के बाद निजी अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। अभी शासकीय अस्पताल में इस मशीन से इलाज का लाभ लेने के लिए मरीजों को एम्स भोपाल जाना पड़ रहा था, यहां मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण लंबा इंतजार भी करना पड़ता था।

वार्ड 9 में धूमधाम से मनाई भगवान श्री बलराम जयंती

भगवान बलराम के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प, किसान हित का दिया संदेश

पीपुल्स प्रवक्ता, सिवनी मालवा।

वार्ड क्रमांक 09 स्थित पार्षद कार्यालय में भगवान श्री बलराम जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भगवान बलराम जी का पूजन-अर्चन कर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती अनीता वर्मा एवं श्रीमती रचना शर्मा ने भगवान श्री बलराम जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद उपस्थित जनों ने भगवान बलराम जी के जीवन, उनके सत्य, त्याग, परिश्रम तथा किसान हित से जुड़े

आदर्शों को याद किया। इस अवसर पर पार्षद ईश्वरदास जमीदार ने कहा कि भगवान श्री बलराम जी को 'हलधर' के नाम से जाना जाता है और वे किसानों के आराध्य देव हैं। उनका जीवन हमें मेहनत, परिश्रम और कर्म के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। भगवान बलराम जी ने कृषि और किसान जीवन के महत्व को समाज के सामने स्थापित किया। उनके आदर्श आज भी सभी के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बलराम जयंती केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि कृषि, किसान और श्रम के सम्मान का पर्व भी है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भगवान श्री बलराम जी के समक्ष क्षेत्र, किसानों और समस्त समाज की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

इस अवसर पर भाजपा नेत्री श्रीमती अनीता रामकृष्ण वर्मा, श्रीमती रचना शर्मा, कमलेश लोवंशी, निलेश राठौर, ईश्वरदास जमींदार, विनोद मालवीय, अनिल लोवंशी, हर्ष वर्मा, विशाल लोवंशी, छोटू धपाड़िया, राहुल लोवंशी, देवेंद्र साध, अशोक लोवंशी, रणवीर सिंह, ऋषिराज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ममता की मिसाल बनी हलछठः माताओं ने रखा उपवास

निरोगी जीवन की मांगी कामना

पीपुल्स प्रवक्ता, सिवनी मालवा।

भादो मास की छठ के पावन अवसर पर नगर में हलछठ माता का पर्व श्रद्धा, आस्था और मातृ प्रेम के साथ मनाया गया। अपने बच्चों की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर माताओं ने दिनभर उपवास रखा और दोपहर के समय विभिन्न स्थानों पर एकत्रित होकर विधि-विधान से हलछठ माता की पूजा-अर्चना की। माताओं ने थाली में फूल-पत्तों से हलछठ माता की स्थापना कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन किया। इसके बाद अपने पुत्रों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु, निरोगी और सुखी जीवन की कामना की। पर्व के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली।

गाय के दूध का नहीं किया उपयोग- हलछठ पर्व की विशेष मान्यता के अनुसार इस दिन माताएं गाय के दूध का उपयोग नहीं करतीं, बल्कि पूजा एवं व्रत में भैंस के दूध का उपयोग किया जाता है।

माताओं ने परंपरा का पालन करते हुए पूरे दिन उपवास रखकर विधि-विधान से पूजा संपन्न की। हलछठ का यह पर्व केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि मां और बच्चे के बीच अटूट प्रेम और ममता का प्रतीक भी है। अपने बच्चों के लिए मां द्वारा रखा गया निर्जला अथवा कठिन उपवास यह संदेश देता है कि मां अपने बच्चों की खुशियों और सलामती के लिए हर कठिनाई सहने को तैयार रहती है।

सच ही कहा गया है–दुनिया में मां ही वह शख्स है, जो अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर सकती है। मां की ममता और आशीर्वाद से बढ़कर इंसान के जीवन में शायद ही कोई दूसरी दौलत हो।